

अकिंचित् वि. (तत्.) कुछ भी नहीं, जरा भी नहीं, लेशमात्र भी नहीं।

अकिंचित्कर वि. (तत्.) 1. जो कुछ भी करने में असमर्थ हो, जो कुछ भी न करता हो, जो कुछ भी करना न चाहता हो 2. जो किसी काम का न हो, तुच्छ, क्षुद्र, अमहत्वाकांक्षी 3. जिसका कोई परिणाम अथवा प्रभाव न हो, निरर्थक, निरूपयोगी, व्यर्थ।

अकीक पुं. (अर.) एक प्रकार का श्वेताभ पीला या श्वेताभ लाल पत्थर, रत्न अथवा उपरत्न टि. छोटे बच्चों को नज़र लगने से बचाने के लिए गले में ताबीज के रूप में पहनाते हैं, हृदयरोग में भी इसे पहनते हैं।

अकीदत स्त्री (अर.) दृढ़ विश्वास।

अकीदा पुं. (अर.) 1. धार्मिक विश्वास 2. धर्म, मजहब।

अकीर्ति स्त्री. (तत्.) अपयश, अयश, बदनामी, कुख्याति विलो. कीर्ति।

अकीर्तिकर वि. (तत्.) अकीर्ति या कुख्याति करने वाला, अपयश देने वाला, बदनामी देने वाला।

अकीलित वि. (तत्.) स्वच्छंद, सामाजिक मर्यादा आदि बंधनों से मुक्त, उत्तरदायित्वों से मुक्त।

अकुंठ वि. (तत्.) दे. अकुंठित।

अकुंठित वि. (तत्.) 1. जो कुंठित न हो, तेज 2. तीव्र, तीक्ष्ण, उग्र, 3. उत्तम, श्रेष्ठ 4. कार्यक्षम, शक्तिशाली।

अकुटिल वि. (तत्.) 1. जो कुटिल या टेढ़ा न हो, सीधा, सरल 2. साफ दिल का, निष्कपट, निश्छल, भोला-भाला, सीधा-सादा, सहज विलो. कुटिल।

अकुटिलता स्त्री (तत्.) कुटिलता का अभाव, सरलता, सादापन, निष्कपटता।

अकुत्सा स्त्री. (तत्.) कुत्सा (अर्थात् निंदा, घृणा, अपवचन, गालीगलौज) का अभाव।

अकुत्सित वि. (तत्.) जो कुत्सा अर्थात् निंदा, घृणा आदि का पात्र न हो।

अकुमार वि. (तत्.) जो कुमार या बालक न हो, वयस्क, प्रौढ़ विलो. कुमार।

अकुल वि. (तत्.) 1. खराब कुल का, नीच कुल का, अकुलीन 2. जिसके कुल में कोई न हो, कुलरहित, परिवारहीन, नीच कुल, बुरा खानदान।

अकुलाना अ.क्रि. (तद्.) 1. घबड़ाना, व्याकुल होना, व्यग्र या बेचैन होना 2. ऊबना 3. जल्दी मचाना, उतावला होना 4. आवेग में आना, लीन होना, मग्न होना।

अकुलाह स्त्री. (तद्.) व्याकुल होने का भाव, व्याकुलता।

अकुलिनी स्त्री. (तत्.) जो श्रेष्ठ कुल की न हो, कुलटा, व्यभिचारिणी।

अकुलीन वि. (तत्.) जो उत्तम कुल का न हो, जो कुलीन न हो, नीच कुल का, क्षुद्र वंश में उत्पन्न विलो. कुलीन।

अकुलीनता स्त्री. (तत्.) नीच-छोटे या तुच्छ कुल/वंश में उत्पत्ति, कुलीनता का अभाव।

अकुलीनत्व पुं. (तत्.) दे. अकुलीनता।

अकुशल वि. (तत्.) जिसके पास सौंपा गया कार्य करने का कौशल न हो 2. जो प्रशिक्षित न हो, अदक्ष, कौशल-रहित 2. अमंगलकारी 3. अचतुर, अशुभ, अहितकर विलो. कुशल।

अकुशलता स्त्री. (तत्.) 1. कुशलता का अभाव, अकुशल होने की स्थिति, अवस्था/भाव 2. प्रशिक्षित न होने के कारण दक्षता का अभाव। 3. अक्षमता, असमर्थता inefficiency 4. अनाड़ीपन, फूहड़पन।

अकुशल श्रम पुं. (तत्.) अर्थ.समाज. 1. परिश्रम-पूर्वक किया जाने वाला ऐसा कार्य जिसके लिए प्रशिक्षण आवश्यक नहीं जैसे- भार ढोने वाले मजदूर आदि का काम 2. उक्त (भार ढोना आदि) काम करने वाला मजदूर या मजदूर वर्ग। unskilled labour